Rajasthan Police Warns Against Rising ‘Boss Scam’

A new cyber fraud called ‘Boss Scam’ is targeting employees in Rajasthan. This scam involves contacting employees from high-ranking officials or company leaders via WhatsApp, email or text messages demanding immediate payment or sensitive data. Rajasthan Police has also warned companies/employees that they must verify such requests before making any financial transfers.

Key Highlights

Point	Details
Scam Type	Boss Scam
Main Target	Company employees
Common Platforms	WhatsApp, Email, SMS
Main Trick	Impersonating senior officers
Warning Signs	Urgent payments, unusual accounts, fake emails
Cyber Fraud Helpline	**1930**

RASO

Why Is a Boss Scam Dangerous?

Social engineering is used to build urgency and trust in the scam. Fraudsters can learn about the company executives, projects, and email style prior to reaching out to employees. They can also attempt to gain access to workplace systems and linked WhatsApp accounts using malware.

How to Stay Safe?

- Verify urgent payment requests by directly calling the concerned officer.
- Thoroughly examine the sender's email address and domain.
- Avoid money transfer to an unknown bank account.
- Enable two-factor verification on WhatsApp.
- Keep antivirus and security software updated.
- Log out of WhatsApp Web and linked devices after work.

If You Become a Victim

Immediately report financial cyber fraud by calling 1930 and file a complaint through the National Cyber Crime Reporting Portal.

Conclusion

The emergence of the boss scam in Rajasthan underscores the tactics of cybercriminals to exploit trust and urgency and impersonate employees and businesses. Any employee should always check a request with the concerned person before making a payment or disclosing confidential details that might be unusual. Staying alert, following proper security procedures, and reporting suspicious activity quickly can help prevent financial losses and reduce the risk of cyber fraud.

MCQs

1. What is the Boss Scam mainly based on?
A) Lottery offers
B) Impersonation
C) Online gaming
D) Shopping discounts
Answer: B) Impersonation

2. Which number should be called for cyber financial fraud?
A) 100
B) 1098
C) 1930
D) 112
Answer: C) 1930

RASonly

3. Which platform may be misused in a boss scam?
A) WhatsApp
B) Calculator
C) Camera
D) Maps
Answer: A) WhatsApp

4. What should employees do before making an urgent payment?
A) Pay immediately
B) Ignore the message
C) Verify it directly
D) Share it publicly
Answer: C) Verify it directly

राजस्थान पुलिस ने बढ़ते 'बॉस स्कैम' के खिलाफ चेतावनी जारी की

'बॉस स्कैम' नामक एक नया साइबर फ्रॉड राजस्थान में कर्मचारियों को निशाना बना रहा है। इस स्कैम में उच्च पदस्थ अधिकारियों या कंपनी के प्रमुखों के नाम से व्हाट्सएप, ईमेल या टेक्स्ट मैसेज के जरिए कर्मचारियों से तुरंत भुगतान या संवेदनशील डेटा की मांग की जाती है। राजस्थान पुलिस ने कंपनियों/कर्मचारियों को भी चेतावनी दी है कि किसी भी वित्तीय ट्रांसफर से पहले ऐसे अनुरोधों का सत्यापन जरूर करें।

मुख्य बिंदु

बिंदु	विवरण
स्कैम का प्रकार	बॉस स्कैम
मुख्य लक्ष्य	कंपनी के कर्मचारी
सामान्य प्लेटफॉर्म	व्हाट्सएप, ईमेल, एसएमएस
मुख्य तरीका	वरिष्ठ अधिकारियों का रूप धारण करना
चेतावनी के संकेत	तुरंत भुगतान, असामान्य खाते, फर्जी ईमेल
साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन	**1930**

बॉस स्कैम खतरनाक क्यों है?

इस स्कैम में जल्दबाजी और भरोसा पैदा करने के लिए सोशल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल किया जाता है। ठग कर्मचारियों से संपर्क करने से पहले कंपनी के अधिकारियों, प्रोजेक्ट्स और ईमेल की शैली के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। वे मैलवेयर का इस्तेमाल करके कार्यस्थल के सिस्टम और लिंक किए गए व्हाट्सएप अकाउंट तक पहुंच बनाने का प्रयास भी कर सकते हैं।

RASonly

सुरक्षित कैसे रहें?

- संबंधित अधिकारी को सीधे कॉल करके तुरंत भुगतान के अनुरोध का सत्यापन करें।
- भेजने वाले के ईमेल एड्रेस और डोमेन की अच्छी तरह जांच करें।
- किसी अनजान बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने से बचें।
- व्हाट्सएप पर टू-फैक्टर वेरिफिकेशन सक्षम करें।
- एंटीवायरस और सुरक्षा सॉफ्टवेयर को अपडेट रखें।
- काम के बाद व्हाट्सएप वेब और लिंक किए गए डिवाइसेज से लॉग आउट करें।

यदि आप शिकार हो जाएं

वित्तीय साइबर फ्रॉड की तुरंत **1930** पर शिकायत करें और नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करें।

निष्कर्ष

राजस्थान में बॉस स्कैम का उभरना साइबर अपराधियों की उन रणनीतियों को दर्शाता है, जिनमें भरोसे और जल्दबाजी का फायदा उठाकर कर्मचारियों और व्यवसायों का रूप धारण किया जाता है। किसी भी कर्मचारी को भुगतान करने या गोपनीय जानकारी साझा करने से पहले संबंधित व्यक्ति से अनुरोध की हमेशा जांच करनी चाहिए। सतर्क रहना, उचित सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करना और संदिग्ध गतिविधि की तुरंत रिपोर्ट करना वित्तीय नुकसान को रोकने और साइबर फ्रॉड के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है।

MCQs

1. बॉस स्कैम मुख्य रूप से किस पर आधारित है**?**
A) लॉटरी ऑफर
B) रूप धारण करना
C) ऑनलाइन गेमिंग
D) शॉपिंग डिस्काउंट
उत्तर**: B)** रूप धारण करना

2. वित्तीय साइबर फ्रॉड के लिए किस नंबर पर कॉल करना चाहिए**?**
A) 100
B) 1098
C) 1930
D) 112
उत्तर**: C) 1930**

3. बॉस स्कैम में किस प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग किया जा सकता है**?**
A) व्हाट्सएप
B) कैलकुलेटर
C) कैमरा
D) मैप्स
उत्तर**: A)** व्हाट्सएप

RASonly

4. तुरंत भुगतान करने से पहले कर्मचारियों को क्या करना चाहिए?
A) तुरंत भुगतान करें
B) मैसेज को नजरअंदाज करें
C) सीधे सत्यापन करें
D) इसे सार्वजनिक रूप से साझा करें
उत्तर: **C)** सीधे सत्यापन करें

Jaisalmer's Sonu Limestone Reaches Industrial Hubs Through Railways

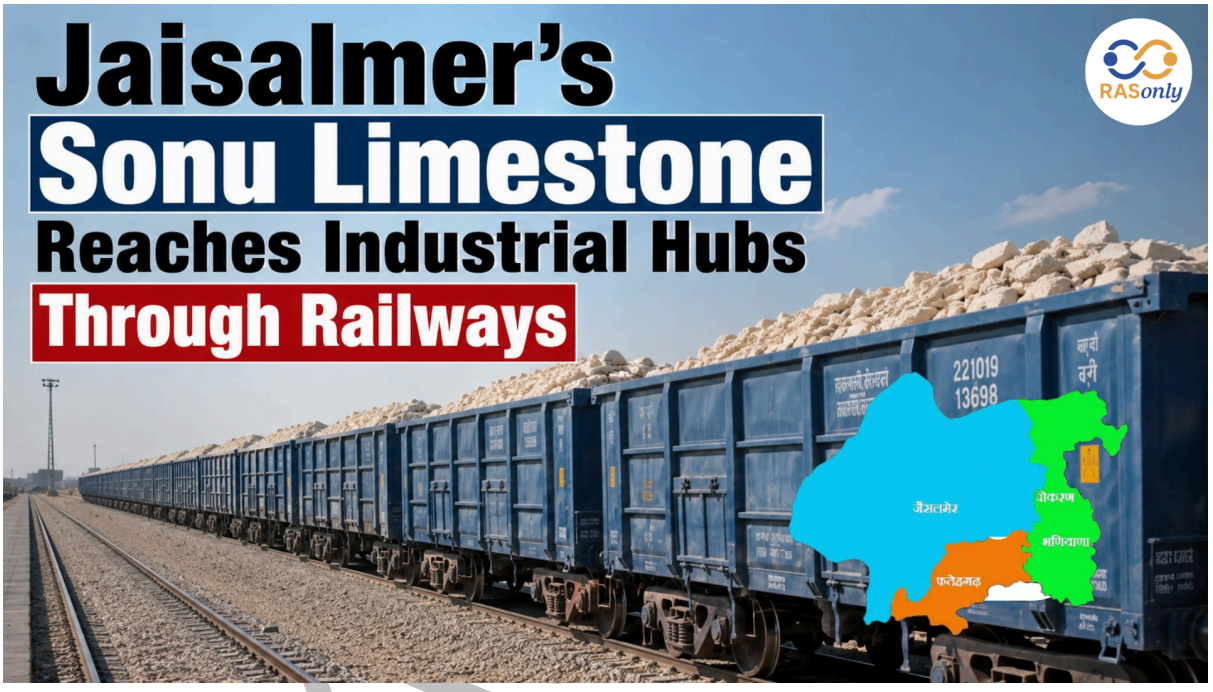

The limestone from the Sonu mines at Jaisalmer, Rajasthan, is now being sent by rail to the big industrial areas of India. Sonu's mineral resources are becoming increasingly crucial to the industrial supply chain of the Jodhpur Division of Indian Railways, which set a new monthly record in August 2026 with the loading of 114 rakes of limestone.

Key Highlights

Key Point	Details
Location	Sonu, Jaisalmer, Rajasthan
Mineral Transported	Limestone
Record Month	August 2026
Total Limestone Rakes	114
Rakes from Sonu Siding	113

Railway Revenue	₹136.7 crore
Sonu's Share	About 99% of the division's limestone loading
Average Daily Loading	About 3.67 rakes per day
Average Daily Loading from Sonu	About 3.64 rakes per day
Transport Mode	Railway

Record Limestone Loading in August

During the 31 days of August, the Jodhpur Division dispatched a total of 114 limestone rakes. This translates to an average of ~3.67 rakes loaded per day.

Out of the total 114 rakes, 113 rakes of limestone came from the Sonu railway siding, making it the main source of limestone loading in the division. The loading done by Sonu was about 3.64 rakes/day on average.

Sonu's Contribution to Railway Revenue

The record limestone loading generated approximately ₹136.7 crore in revenue for the railway during August. Sonu handled almost 99% of the limestone loading for the Jodhpur Division, which showed that he played a large part in freight traffic.

Also, the use of railway transport for limestone transport is important for companies that have limestone as a key raw material, such as cement and construction.

Economic Significance

The greater transportation of Sonu limestone via railways will further cement the link between mineral-rich areas of Rajasthan and the industrial hubs of India. The bulk mineral rail transport system is also used for the movement of bulk minerals over long distances and generates railway revenue.

Conclusion

The record loading of 114 limestone rakes in August 2026, including 113 rakes from Sonu siding, marks an important milestone for the Jodhpur Railway Division. Sonu mines have become a key contributor to the mineral-based industrial supply chain of Rajasthan, with its contribution of ₹136.7 crore in railway revenue and almost 99% of the limestone loading.

MCQs

1. Sonu limestone mines are located in which district of Rajasthan?
A. Barmer
B. Jaisalmer

RASonly

C. Jodhpur
D. Bikaner
Answer: B. Jaisalmer

2. How many limestone rakes were loaded by the Jodhpur Division in August 2026?
A. 100
B. 110
C. 114
D. 120
Answer: C. 114

3. How many limestone rakes were dispatched from Sonu railway siding?
A. 111
B. 112
C. 113
D. 114
Answer: C. 113

4. How much revenue did the railway earn from the record limestone loading?
A. ₹126.7 crore
B. ₹136.7 crore
C. ₹146.7 crore
D. ₹156.7 crore
Answer: B. ₹136.7 crore

5. What was Sonu's approximate share in the Jodhpur Division's total limestone loading?
A. 75%
B. 85%
C. 90%
D. 99%
Answer: D. 99%

जैसलमेर का सोनू लाइमस्टोन रेलवे के जरिए देश के औद्योगिक क्षेत्रों तक पहुंचा

जैसलमेर, राजस्थान की सोनू खदानों से निकलने वाला लाइमस्टोन (चूना पत्थर) अब रेलवे के माध्यम से देश के बड़े औद्योगिक क्षेत्रों तक पहुंचाया जा रहा है। सोनू के खनिज संसाधन जोधपुर मंडल की औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अगस्त **2026** में जोधपुर मंडल ने **114** लाइमस्टोन रेक लदान कर नया मासिक रिकॉर्ड बनाया।

प्रमुख बिंदु

प्रमुख बिंदु	विवरण

RASonly

स्थान	सोनू, जैसलमेर, राजस्थान
परिवहन किया जाने वाला खनिज	लाइमस्टोन (चूना पत्थर)
रिकॉर्ड महीना	अगस्त 2026
कुल लाइमस्टोन रेक	114
सोनू साइडिंग से रेक	113
रेलवे राजस्व	₹136.7 करोड़
सोनू की हिस्सेदारी	मंडल के लाइमस्टोन लदान का लगभग 99%
औसत दैनिक लदान	लगभग 3.67 रेक प्रतिदिन
सोनू से औसत दैनिक लदान	लगभग 3.64 रेक प्रतिदिन
परिवहन का माध्यम	रेलवे

अगस्त में लाइमस्टोन लदान का रिकॉर्ड

अगस्त के **31** दिनों के दौरान जोधपुर मंडल से कुल **114** लाइमस्टोन रेक रवाना किए गए। इसका अर्थ है कि प्रतिदिन औसतन लगभग **3.67** रेक का लदान हुआ।

कुल 114 रेक में से **113** रेक लाइमस्टोन सोनू रेलवे साइडिंग से रवाना हुए। इससे सोनू साइडिंग जोधपुर मंडल में लाइमस्टोन लदान का प्रमुख केंद्र बन गई। सोनू से औसत दैनिक लदान लगभग **3.64** रेक प्रतिदिन रहा।

रेलवे राजस्व में सोनू का योगदान

रिकॉर्ड लाइमस्टोन लदान से अगस्त में रेलवे को लगभग **₹136.7** करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। जोधपुर मंडल के कुल लाइमस्टोन लदान में सोनू की हिस्सेदारी लगभग **99%** रही, जो माल ढुलाई में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है।

लाइमस्टोन का रेलवे के माध्यम से परिवहन उन उद्योगों के लिए भी महत्वपूर्ण है, जिनमें यह प्रमुख कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल होता है। इनमें विशेष रूप से सीमेंट और निर्माण क्षेत्र शामिल हैं।

आर्थिक महत्व

रेलवे के माध्यम से सोनू लाइमस्टोन का बढ़ता परिवहन राजस्थान के खनिज-समृद्ध क्षेत्रों और देश के औद्योगिक केंद्रों के बीच संपर्क को और मजबूत करता है। लंबी दूरी तक बड़ी मात्रा में खनिजों के परिवहन के लिए रेलवे एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे औद्योगिक आपूर्ति को समर्थन मिलने के साथ-साथ रेलवे के राजस्व में भी वृद्धि होती है।

RASonly

निष्कर्ष

अगस्त 2026 में **114** लाइमस्टोन रेक का रिकॉर्ड लदान, जिसमें **113** रेक सोनू साइडिंग से रवाना हुए, जोधपुर रेलवे मंडल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। **₹136.7** करोड़ के रेलवे राजस्व और लगभग **99%** लाइमस्टोन लदान में हिस्सेदारी के साथ सोनू की खदानें राजस्थान की खनिज-आधारित औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

MCQs

1. सोनू की लाइमस्टोन खदानें राजस्थान के किस जिले में स्थित हैं**?**
A. बाड़मेर
B. जैसलमेर
C. जोधपुर
D. बीकानेर

उत्तर**: B.** जैसलमेर

2. अगस्त **2026** में जोधपुर मंडल ने कितने लाइमस्टोन रेक का लदान किया**?**
A. 100
B. 110
C. 114
D. 120

उत्तर**: C. 114**

3. सोनू रेलवे साइडिंग से कितने लाइमस्टोन रेक रवाना हुए**?**
A. 111
B. 112
C. 113
D. 114

उत्तर**: C. 113**

4. रिकॉर्ड लाइमस्टोन लदान से रेलवे को कितना राजस्व प्राप्त हुआ**?**
A. ₹126.7 करोड़
B. ₹136.7 करोड़
C. ₹146.7 करोड़
D. ₹156.7 करोड़

उत्तर**: B. ₹136.7** करोड़

5. जोधपुर मंडल के कुल लाइमस्टोन लदान में सोनू की लगभग कितनी हिस्सेदारी रही**?**
A. 75%
B. 85%
C. 90%
D. 99%

उत्तर**: D. 99%**

RASonly

RASonly